

17/5/24

पत्रावली पेय हुई। अविबन्ता रूप तथा
शक्ति नहीं। बार-2 आवाजें लगीं
गईं। आसालग व वकालत शक्ति
नहीं। ऐसे वर पत्रावली ऊपर पेरी
ऊपर शक्ति के खारिज की जाती
थी पत्रावली कौलला होकर वाट
लकमील होकर साखिल समतल

धो
८

